If you prefer "Reader View" to display the "favicon" of websites, click here to grant permission.

This page contains cross-origin images that Reader View cannot access. You can click here to grant this access.

devbhumijknews.in /36424/

ऋषिकेश- तीर्थनगरी मे अद्वैत फाउंडेशन द्वारा भारत दर्शन पुस्तक का विमोचन और तीन दिवसीय अद्वैत महोत्सव का हुआ आयोजन

जय कुमार तिवारी : 2-3 minutes

ऋषिकेश- प्रशांत अद्वैत फाउंडेशन के संस्थापक आचार्य प्रशांत ने भारत आध्यात्म दर्शन राष्ट्र पुस्तक का विमोचन तपोवन स्थित एक रिसोर्ट में किया, इसी के साथ संस्था ने 24 दिसंबर से ऋषिकेश में तीन दिवसीय आध्यात्मिक शिविर अद्वैत महोत्सव आयोजित किए जाने का ऐलान भी किया।

पुस्तक का विमोचन करने के उपरांत ने उपस्थित को सम्बोधित करते हुए आचार्य प्रशांत किशोर ने कहा कि लोगों की संगति हमेशा नहीं मिलती ,अगर उनके सामने नहीं बैठ सकते तो उनके शब्दों के साथ बैठ लो ,संगति ही सब कुछ है उन्होंने कहा कि हमारी संस्था का उद्देश्य मानव चेतना को जाग्रत करना भी है।मनुष्य अपने को तभी बेहतर बन सकता है जब वह पुरी तरह से चेतन होगा, परन्तु आज युवा पुस्तक पढने से विमुख हो रहा है।जिन्हें पुस्तकों की ओर वापस लाना होगा।

ऋषिकेश हमेशा से आचार्य जी के लिए वेद और उपनिषदों मे बात करने के लिए एक ख़ास शहर रहा है। इस तीन दिवसीय शिविर की ख़ासियत रही है उपनिषदों, प्रकृति और आचार्य जी से क़रीबी। १० साल पहले आचार्यजी ने अपने उपनिषद कैंप की शुरुवात यही से की थी। तपोवन हो, या तपोवन के आगे, ब्रह्मपुरी, शिवपुरी, फूलचट्टी इत्यादि के गंगा तट हों, गहन वेदान्त चर्चाएं तो यहां 2012-13 से होती रही हैं। और इन अनेक चर्चाओं के पीछे छुपी हैं अनेक कहानियां, अनेक रोचक क़िस्से, और अनेक ऐसे जीवन जिन्हें इन चर्चाओं ने बदल ही डाला। अद्वैत फाउंडेशन उपनिषदो के अलावा माँ गंगा के किनारो को भी स्वच्छ बनाती है।